

चौधरी रामदान शिक्षण संस्थान (छात्रावास), रामसर, बाड़मेर

1. छात्रावास का नाम व पता — चौधरी रामदान शिक्षण संस्थान (छात्रावास), रामसर, बाड़मेर
2. इतिहास — सन् 1994 में रामसर तहसील क्षेत्र में कार्यरत जाट कर्मचारियों एवं आस-पास के गाँवों के प्रमुख लोगों ने बैठक कर जाट छात्रावास के निर्माण सम्बन्धी योजना बनाई। उस समय इस क्षेत्र में रामसर कस्बे के अलावा आस-पास कहीं पर माध्यमिक विद्यालय नहीं था। उस समय रा.मा.वि. रामसर के प्रधानाध्यापक अमीचंद चौधरी (बीकानेर वाले) से प्रोत्साहित होकर सोनाराम गोदारा, तगाराम डऊकिया (ठेकेदार), गंगा राम, किसना राम सेवर (सेतराऊ), प्रहलाद राम, राणाराम गोरसिया, भूराराम जाखड़, मोटा राम पुनिया, मालाराम पोटलिया (भाचभर), दीपाराम जाखड़ (भाचभर), चूनाराम बेनिवाल (धारासर) आदि जाट बन्धुओं ने प्रथम बैठक कर छात्रावास निर्माण हेतु सरकारी भूमि चिन्हित कर आवंटन की प्रक्रिया शुरू की। सन् 1995 में सोनाराम गोदारा (चाडी) एवं तगाराम डऊकिया ने प्रस्तावित भूमि के कागजात लेकर ग्राम पंचायत से आवंटन अनापत्ति पत्र प्राप्त किया। लम्बी प्रक्रिया के बाद 15 सितम्बर 1999 को समस्त प्रक्रिया पूरी कर सोनाराम गोदारा ने चौधरी रामदान शिक्षण संस्थान, रामसर के नाम से संस्थान का पंजीयन करवाया। संस्थान की प्रथम पंजीकृत कार्यकारिणी में लिखमाराम डऊकिया—अध्यक्ष, प्रहलाद राम हुडा—उपाध्यक्ष, सोनाराम गोदारा—सचिव, तगाराम डऊकिया—कोषाध्यक्ष सहित अन्य सदस्यों को सम्मिलित किया गया।

लम्बी प्रक्रिया के चलते भूमि आवंटन में कई अड़चनें आईं। सन् 2002 में गेनसिंह पोटलिया (उपसरपंच भाचभर) व सोनाराम गोदारा ने आवंटन पत्रावली जिला कलक्टर बाड़मेर के माध्यम से राज्य सरकार को भेजने के प्रयास जारी रखे। इस सम्बन्ध में हेमाराम चौधरी (तत्कालीन परिवार कल्याण एवं सैनिक बोर्ड राज्यमंत्री) एवं गंगाराम चौधरी (पूर्व जिला प्रमुख, बाड़मेर) के सहयोग से भूमि आवंटन प्रकरण सन् 2004 में राज्य सरकार को भेजा गया। अन्तिम रूप से छात्रावास हेतु भूमि आवंटन का कार्य तत्कालीन राजस्व मंत्री रामनारायण डूडी द्वारा किया गया। आदेश जारी होने के पश्चात् न्यूनतम शुल्क राशि 8250 रु., 23 मार्च 2005 को जमा करवाने पर आवंटन प्रक्रिया पूर्ण हुई। इसके बाद भी स्थानीय राजस्व कर्मचारियों ने भूमि नामान्तरण में नई अड़चने पैदा करने की कोशिश की। तब तत्कालीन सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी ने सहयोग किया। जिससे जिला कलक्टर व एडीएम मदनलाल नेहरा ने तत्काल नामान्तरण कार्यवाही पूर्ण कर भूमि छात्रावास हेतु समर्पित करवाई। 20 अप्रैल 2005 को स्थानीय जाट बन्धुओं ने छात्रावास भवन की नींव रख कर तत्काल चारदीवारी बनवाई। 2 मई 2007 को छात्रावास का शिलान्यास तत्कालीन राजस्व मंत्री रामनारायण डूडी द्वारा किया गया। छात्रावास निर्माण कार्य हेतु किसनाराम सेवर, सादुलाराम सियोल (मगाणी हाल आलमसर), तथा रामाणी डऊकिया परिवार, सरली ने एकमुश्त बड़ी राशि प्रदान की। छात्रावास निर्माण में तत्कालीन पर्यटन मंत्री ऊषा पुनिया ने 2 लाख, शिव विधायक डॉ. जालम सिंह रावलोत ने 4.9 लाख, हरीश चौधरी तत्कालीन सांसद ने पाँच लाख तथा डॉ. ज्ञान प्रकाश पिलानिया (राज्य सभा सांसद) ने 2.50 लाख रुपये अपने कोष से स्वीकृत कर सहयोग किया। जन प्रतिनिधियों एवं जनसहयोग से नव निर्मित छात्रावास भवन का उद्घाटन 4 फरवरी 2011 को गंगाराम चौधरी (पूर्व राजस्वमंत्री), हेमाराम चौधरी (तत्कालीन राजस्व मंत्री) अमीन खां (विधायक शिव), हरीश चौधरी (सांसद बाड़मेर—जैसलमेर), कर्नल सोनाराम चौधरी (विधायक बायतु) तथा श्रीमती मदनकौर (जिला प्रमुख, बाड़मेर) की गौरवमयी उपस्थिति में हुआ। छात्रावास में 12 आवासीय कमरे, 3 हॉल, 1 ऑफिस कक्ष तथा सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

इस संस्थान के प्रथम अध्यक्ष लिखमाराम डऊकिया का कार्यकाल सन् 1999 से 2009 तक रहा। प्रहलाद राम सन् 2009 से 2013 तक एवं वर्तमान अध्यक्ष सोनाराम लेगा 2013 से निरन्तर कार्यरत हैं। वर्तमान में सोनाराम गोदारा सचिव एवं गेनसिंह पोटलिया कोषाध्यक्ष हैं।

